Page no:1 Sanskrit home-work 5(A+B)

संस्कृत

संज्ञा-शब्द

संज्ञा की परिभाषा और उदाहरण

किसी भी व्यक्ति, वस्तु, जाति, भाव या स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण :- मनुष्य (जाति), अमेरिका, भारत (स्थान), बचपन, मिठास (भाव), किताब, टेबल (वस्तु) आदि।

संज्ञा के मुख्यत: तीन भेद होते हैं।

1) जातिवाचक संज्ञा
2) व्यक्तिवाचक संज्ञा
3) भाववाचक संज्ञा

1) जातिवाचक संज्ञा :- जिस शब्द से किसी प्राणी या वस्तु की समस्त जाति का बोध होता है, उन शब्दों को जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण :- घोड़ा, फूल, मनुष्य, वृक्ष आदि।

2) व्यक्तिवाचक संज्ञा :- जिन शब्दों मे किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु के नाम का बोध हो, उसे व्यक्ति वाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण :- जयपुर, दिल्ली, भारत, रामायण, अमेरिका, राम, आदि।

भाववाचक संज्ञा :- जिस संज्ञा शब्द से पदार्थों की अवस्था गुण-दोष, भाव या दशा, धर्म आदि का बोध हो, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण :- बुढ़ापा, मिठास, बचपन, मोटापा, चढ़ाई, थकावट, आदि।

अंत में आने वाले स्वर अथवा व्यंजन के अनुसार हम संज्ञा को पहचानते हैं।

अकारान्त ('अ' अन्तवाली संज्ञा)
बालक, अश्व, नर, पर्वत, सिंह, राज, फल, नयन

आकारान्त ('आ' अन्तवाली संज्ञा)
लता, सीता, रमा, रत्ना, यमुना, बालिका

इकारान्त ('इ' अन्तवाली संज्ञा)
मुनि, कवि, हरि, मति, भूमि

ईकारान्त ('ई' अन्तवाली संज्ञा)
नारी, नदी, कुमारी, सरस्वती

उकारान्त ('उ' अन्तवाली संज्ञा)
साधु, भानु, शिशु, पशु

ऊकारान्त ('ऊ' अन्तवाली संज्ञा)
वधू, चम्पू, जम्बू, पंडू

ऋकारान्त ('ऋ' अन्तवाली संज्ञा)
पितृ, मातृ, भ्रातृ, क्षत्तृ

व्यंजनान्त (व्यंजन अन्तवाली संज्ञा)
मनस्, तेजस्, राजन्, गुणिन्

[अभ्यास]

1) अंतिम स्वर के अनुसार शब्द को छाँटें।

नयन, नर, सीता, रेणु, प्रभा, मुनि, पितृ, साधु, मति, भ्रातृ

अकारान्त → नयन, नर
आकारान्त → सीता, प्रभा
इकारान्त → मुनि, मति
उकारान्त → रेणु, साधु
ऋकारान्त → पितृ, भ्रातृ

2) सही शब्द को पहचानें :-

क) अकारान्त (मनस्, ज्ञान, रमा)
ख) आकारान्त (पर्वत, कपि, लता)
ग) इकारान्त (मति, नदी, मातृ)
घ) ऋकारान्त (वृक्ष, पितृ, गिरि)
ङ) ईकारान्त (प्रीति, नदी, रात्रि)
च) व्यंजनान्त (नयन, मनस्, नगर)

Date: ___/___/______

Page: ______

Page no:- 4

3) असम्बद्ध शब्द को पहचानें :-

क) पात्र , पितृ , चित्र

ख) मुनि , मनस् , निधि

ग) गज , गङ्गा , सभा

घ) तद् , तनु , एतद्

ङ) विष्णु , ऋतु , वधू

च) गिरि , पृथिवी , मयूरी

4) प्रत्येक प्रकार के तीन-तीन शब्द लिखें :-

अकारान्त

↓

नयन

नर

बालक

इकारान्त

↓

मति

कपि

मुनि

ईकारान्त

↓

मही

नारी

नदी

व्यंजनान्त

↓

मनस्

राजन्

तेजस्

5) भिन्न संयुक्त व्यंजनवाले शब्द को पहचानें :-

क) तर्क , नक्र , चक्र

ख) प्रभाव , दर्प , प्रसन्न , प्रकार

ग) वृक्ष , कक्ष , शुष्क , रक्षण

घ) वर्तन , कीर्तन , अत्र , नर्तन

ङ) भ्रम , धर्म , भ्रमर , भ्राता

च) नक्त , शक्त , रिक्त , उल्क